



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... भैरोनी कृषि अस्ट्रेटज़िकल

दिनांक ७.५.२०२१ पृष्ठ संख्या..... २ कॉलम..... १-५

इम्युनिटी बढ़ाने को सघियों के साथ कदू के बीज, खरबूजे के बीज, दही, तुलसी का सेवन करें

महशूद अली | हिसार

कोरोना संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है। हालत यह है कि अस्पतालों में बेड तक खाली नहीं बचे हैं। कोरोना काल में शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में आहर प्रबंधन की अहम भूमिका होती है। एचएयू के इन्सिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के वैज्ञानिकों ने भी महामारी के समय आहर प्रबंधन द्वारा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया है।

एचएयू के इंदिरा गंधी चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा और खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्ष डॉ. संगीता रिंझू के अनुसार भोजन हमारे दैनिक जीवन का ऐसा अभिन्न अंग है कि हम अब इस पर ध्यान नहीं देते हैं। कोविड-19 महामारी ने सभी के जीवन को बिराम दे दिया है और अपने भोजन की आदतों सहित स्वयं का आंकलन करने के लिए मजबूर कर दिया है। डॉ. उर्वशी नादल ने संतुलित आहर के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। कोविड-19 महामारी में संतुलित आहर का प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में विशेष महत्व है।

एचएयू का खाद्य एवं पोषण विभाग कोरोना से बचाव के लिए दे रहा टिप्प



डॉ. उर्वशी। डॉ. बिमला ढांडा डॉ. आर कांबली।

एचएयू के वैज्ञानिकों के अनुसार शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाने के लिए यह करें

- दिन में बार-2 अल्पाहार करें।
- आंतों में मौजूद बैक्टीरिया को बढ़ाने के लिए दही, छाँच, इडली, ढोकला, पुए जैसे खाद्य पदार्थ भोजन में शामिल करें।
- रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाने के लिए आसानी से उपलब्ध सुपर खाद्य पदार्थों को भोजन में सम्मिलित करें: जैसे पालक, नीबू, पपीता, मसूर, टमाटर, मिर्च, आंवला, हरूटी, लहसुन, अदरक, काला जीरा, कदू के बीज, खरबूजे के बीज, दही, तुलसी, शहद आदि।

इम्युनिटी बढ़ाने में डाइट भी अहम रोल निभाती है। एचएयू के गृह विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक कोरोना के समय शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए लोगों को टिप्प दे रहे हैं। लोगों को भी खानपान पर ध्यान देना होगा। - डॉ. बीआर कांबली, कूलपति, एचएयू।

जानिए... खाद्य समूहों में किन अनाज और दालों को शामिल करें

- मञ्जियां जैसे हरी पत्तेदार सब्जी: पालक, धनिया, पोदीना, मेंढी की पत्तियां, चैलई, जड़ें और कंद जैसे आलू, गाजर, अर्बी।
- दलहन जैसे साबुत दाल - राजमा, सोयाबीन, साबुत उड़द, हरी मटर, मसूर, मोठ और मूंग छिलका दाल, अरहर दाल, उड़द दाल, चना दाल।
- नट और तेल के बीज जैसे बादाम, अखोरे, काजू, मिस्ता, मुनक्का और तेल के बीज जैसे सफेद सरसों, मूँगफली, तिल, अजवाइन।
- फल जैसे आम, सेब, बेर, अमरुद, केला, पपीता, खट्टे फल जैसे संतरा, नीबू, अंबला। दुध और दुथ से बने पदार्थ जैसे दुध, दही, पीर, क्रीम (मलाई), छाँच, घी, मक्खन।

दिन में कई बार भोजन करें

- नाश्ता: दैनिक भोजन की आवश्यकता का 25 % नाश्ता प्रदान कर सकता है।
- दोपहर का भोजन: सभी खाद्य समूहों को सम्मिलित करके, भारी होना चाहिए।
- रात का खाना: हल्का होना चाहिए ताकि आसानी से पचाया ज सके।
- यदि घर ने आस-पास थोड़ी बहुत खाली जगह हो तो उसमें किंचन गार्डन द्वारा मौसमी कीटनाशक रहित सब्जी लगाए। इससे स्वास्थ्य भी सही रहेगा व बचत भी होगी। मौसम की उपलब्ध फल व सब्जी ही भोजन में खाएं।
- दाल के परांते में हरी पत्तेदार सब्जी मिलाकर, रस्बिंदी वाली खिचड़ी व दलिया, सब्जियों तथा अंकुरित चने, मूँग वा मोठ से मिलाकर चाट बनाएं, सब्जी युक्त पोहा आदि।



2

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....११ नि. ५२८ के

दिनांक ६.५.२०२१ पृष्ठ संख्या.....२ कॉलम.....।-५.....

मई में धान, कपास, टमाटर, मटर, भिंडी और घीया की फसल उगाकर आमदनी बढ़ा सकते हैं प्रदेश के किसान

महबूब अली, हिसार | मई में धान से लेकर कपास, टमाटर, भिंडी, घीया आदि की फसल उगाकर और उगाई फसल की उचित ढंग से देखरेख कर किसान आमदनी बढ़ा सकते हैं। एचएयू के वैज्ञानिक किसानों को मई में फसलों की देखरेख और बुवाई के टिप्पणी दे रहे हैं।

एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज और अन्य वैज्ञानिकों ने बताए ज्यादा उत्पादन के गुर

धान के लिए यह करें

भारी व स्वस्थ बीज के चुनाव के लिए 10 किलोग्राम बीज को 10 लीटर नमक के घोल (10 लीटर पानी में एक किलोग्राम नमक) में डुबोएं और हाथ से धीरे-धीरे चलाइए। हल्के रोगास्त बीज तथा आभासी कंदुआ के पिंड ऊपर तैयार लगते हैं जिहें निकाल कर न नट कर दें और नीचे बैठे हुए भारी बीज को स्वच्छ पानी से 3-4 बार अच्छी तरह थोलें और इसके बाद फॉर्म्युलेशन के घोल से उपचारित करें। बीज जनित रोगों से बचाव के लिए 10 लीटर फॉर्म्युलेशन के घोल (10 ग्राम कार्बो-डाइम, एक ग्राम स्ट्रैटोसाइक्लिन व 10 लीटर पानी) में 10-12 किलोग्राम बीज को 24 घंटे प्रिंगोकर उपचारित करें ही बिजाई करें। धान की नसरी उगाने के लिए 10-12 गाड़ी गोबर की खाद, 22 कि.ग्रा. घूरिया, 65 कि.ग्रा. एसएसपी और 10 कि.ग्रा. जिक सल्फेट प्रति एकड़ डालें।

कपास के लिए यह करें

बिजाई इस माह के अंत तक पूरी कर लें। नरमा की उन्नत किस्में तथा देसी कपास की सिफारिशशुदा किस्में ही बोएं। कपास से बढ़िया फुटाव के लिए पूरे खेत की तैयारी सही ढंग से करनी चाहिए। पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल्त से करनी चाहिए। इसके बाद आवश्यकतानुसार 3-4 जुताइयां करें। बिजाई के समय खेत में तर बत्तर (गोली आल) का होना चाहिए है। इसके लिए खेत में अच्छा पलेवा करें। गोले बत्त में दो जुताइयां करके सुहागा लगाएं व खेत को एकसार कर लें। खेत में पौधों की सही संख्या के लिए बीज की सही मात्रा प्रयोग में लाएं।



टमाटर के लिए यह करें

नाइट्रोजन वाली खाद खड़ी फसल में दो बार दें-पहली पौधरोपण के लाभग 3 सपाह बाद व दोबारा पहली मात्रा के एक महीने बाद। हर बार 12.5 कि.ग्रा. नाइट्रोजन (27 कि.ग्रा. घूरिया) प्रति एकड़ की दर से दें। खाद देने के करना न भूलें। सामान्यतः गर्भों के दिनों में 6 से 7 दिनों के अंतर पर सिंचाई करने की आवश्यकता होती है। इस चूसने वाले कीटों को मारने के लिए 400 मि.ली. मैलाथियान 50 इ.सी. को 250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़कें। इस छिड़काव से टमाटर के बायरस रोगों की रोकथाम भी हो जाएगी।



भिंडी के लिए यह करें

कीटों (हरा तेला और चित्तीदार सूणडी) से बचाव के लिए 300-500 मि.ली. मैलाथियान 50 इ.सी. को 200-300 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ फसल पर छिड़काव करें। दवाई छिड़कने के बाद 8-10 दिन तक फल खाने के प्रयोग में न लें। तरबूज व खरबूजा के लिए यह करें: चेपा, हरा तेला, माईंट का प्रकोप होने पर 250 मि.ली. मैलाथियान 50 इ.सी. को 250 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ फसल पर छिड़काव करें। आवश्यकता पड़ने पर फिर दोहराएं। यदि फलों में मक्खी कों आक्रमण हो गया हो तो खरबूज फलों को तोड़कर नष्ट कर दें।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....इंडियन डाटा.....

दिनांक ..४.५.२०२१....पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....।.४.....

ई-बुक्स की महत्वपूर्ण भूमिका : प्रो. कांबोज

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। वर्तमान समय में ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कोरोना काल में तो इसकी महत्ता और अधिक बढ़ गई है। साथ ही समाज में तेजी से बढ़ रहे सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग ने जीवन के हर पहलू को बदल दिया है। वर्तमान डिजिटल युग में प्रत्येक इच्छुक व्यक्ति तुरंत सारी जानकारी अपने हाथों में चाहता है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने व्यक्त किए। वे ई-बुक्स अकादमिक संग्रह पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी की ओर से किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि वर्तमान समय में ई-बुक्स से शिक्षा जागत को सबसे ज्यादा फायदा मिला है, क्योंकि इस समय सभी शिक्षण संस्थान और पुस्तकालय



ऑनलाइन कार्यशाला को संबोधित करते हुए
कुलपति प्रो. बीआर कांबोज व मौजूद अन्य।

बंद हैं। ऐसे में इसकी अधिक जरूरत हो गई है। उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालयों में मुद्रित पुस्तकों के बजाय ई-पुस्तकों का उपयोग करना पड़ा है। इस महामारी के दौर में डिजिटल सूचना संसाधन हमारे अध्ययन एवं अध्यापन में अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ई-बुक्स आज के समय की मांग है। इसलिए मौजूदा समय में हर प्रकार की शिक्षा संबंधी सामग्री ई-बुक्स के माध्यम से इंटरनेट पर उपलब्ध हो रही है। मुद्रित पुस्तकों की

ई-डाटा बेस में दो लाख से अधिक ई-पुस्तकें मौजूद

कार्यशाला के शुभारंभ पर पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने स्वागत करते हुए कार्यशाला की रूपरेखा एवं विशेषताओं पर प्रकाश डाला। इस वेबिनार में करीब 500 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया। इस डाटाबेस में ई-फॉर्म में 2.7 लाख से अधिक ई-पुस्तके और अब दस्तावेज शामिल हैं। वरिष्ठ प्रशिक्षण प्रबधक रितेश कुमार ने एबस्को ई-बुक पैकेज और इसकी विशेषताओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में नेहरू पुस्तकालय के डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने धन्यवाद प्रस्तुत किया। मंच संचालन सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. भानु प्रताप ने किया।

तुलना में इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकों के पाठक अपने अनुकूल विषयों को आसानी से तुरंत ऑनलाइन माध्यम से खोज सकते हैं। इससे न केवल समय, बल्कि पैसे की भी बचत होती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब कैसरी.....

दिनांक .८.५.२०२१..पृष्ठ संख्या.....५.....कॉलम.....।-३.....

'वर्तमान में ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में निभा रही महत्वपूर्ण भूमिका : प्रो. काम्बोज'

**नेहरू लाइब्रेरी में एवस्को ई-
बुक अकादमिक संग्रह पर
ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित**

हिसार, 7 मई (पेक्स): वर्तमान समय में ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कोरोना काल में तो इसकी महत्ता और अधिक बढ़ गई है। साथ ही समाज में तेजी से बढ़ रहे सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग ने जीवन के हर पहलू को बदल दिया है। वर्तमान डिजिटल युग में प्रत्येक इच्छुक व्यक्ति तुरंत सभी जानकारी अपने हाथों में चाहता है।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे ई-बुक्स अकादमिक संग्रह पर प्रभावी उपयोग और प्रशिक्षण कार्यशाला विषय पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में बताए मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी की ओर से किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि वर्तमान समय में



एच.ए.यू. की लाइब्रेरी द्वारा आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व मौजूद अन्य। ई-बुक्स से शिक्षा जगत को सबसे ज्यादा फायदा मिला है क्योंकि इस समय सभी शिक्षण संस्थान और पुस्तकालय बंद हैं। ऐसे में इसकी अधिक जरूरत हो गई है। उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालयों में मुद्रित पुस्तकों के बजाय ई-पुस्तकों का उपयोग करना पड़ा है। इस महामारी के दौर में डिजिटल सूचना संसाधन हमारे अध्यन एवं अध्यापन में अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इससे पहले कार्यशाला के शुभांभ अवसर पर पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान

प्रमाण पत्र जारी किए गए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दैनिक भास्कर

दिनांक ८.५.२०२१.....पृष्ठ संख्या २.....कॉलम ।-३.....

ई-बुक्स अनुसंधान में निभा रहे महत्वपूर्ण भूमिका : प्रो. काम्बोज

नेहरू लाइब्रेरी में एबस्को ई-बुक अकादमिक संग्रह पर ऑनलाइन कार्यशाला मिटी रिपोर्टर • वर्तमान समय में ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कोरोना काल में तो इसकी महत्ता और अधिक बढ़ गई है। साथ ही समाज में तेजी से बढ़ रहे सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग ने जीवन के हर पहलू को बदल दिया है।

वर्तमान डिजिटल युग में हर इच्छुक व्यक्ति तुरंत सारी जानकारी अपने हाथों में चाहता है। ये विचार



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वीसी प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे ई-बुक्स अकादमिक संग्रह पर प्रभावी उपयोग और प्रशिक्षण कार्यशाला विषय पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यशाला का आयोजन एचएयू की नेहरू लाइब्रेरी की ओर से किया

गया। कार्यशाला के शुभारंभ पर पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने सभी मुख्यातिथि एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि इस बेबिनार में करीब 500 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया। यह ई-बुक्स डॉटा बेस विश्वविद्यालय के छात्रों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों के लिए फायदेमंद हो सकता है। इस डॉटा बेस में २.७ लाख से अधिक ई-पुस्तकें और अन्य दस्तावेज शामिल हैं। वरिष्ठ प्रशिक्षण प्रबंधक रितेश कुमार ने जानकारी दी। मंच संचालन सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. भानु प्रताप ने किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दूरभास

दिनांक ४.५.२०२१ पृष्ठ संख्या ९ कॉलम २-५

डिजिटल युग

एचएयू की नेहरू लाइब्रेरी में ऑनलाइन कार्यशाला

कोरोना काल में शिक्षा
को लेकर मंथन,
कुलपति कंबोज मुख्य
अतिथि रहे

हरिगूणि न्यूज़ || हिसार

वर्तमान समय में ई-बुक्स शिक्षा व
अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका
निभा रही है। कोरोना काल में तो
इसकी महत्व और अधिक बढ़ गई
है। साथ ही समाज में तेजी से बढ़ रहे
सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग ने
जीवन के हर पहलू को बदल दिया
है। वर्तमान डिजिटल युग में प्रत्येक
इच्छुक व्यक्ति तुरंत सारी जानकारी
अपने हाथों में चाहता है। यह बात
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के
कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज
ने कही। वे ई-बुक्स अकादमिक
संग्रह पर प्रभावी उपयोग और
प्रशिक्षण कार्यशाला विषय पर
आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में
बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।
उन्होंने ई-बुक्स के महत्व को
रेखांकित किया।

ई-बुक्स शिक्षा और अनुसंधान में निभा रही महत्वपूर्ण भूमिका

लाइब्रेरी के ई-डाटा बेस में दो लाख से अधिक ई-पुस्तकें



कार्यशाला में पुस्कालायाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने
कार्यशाला की रूपरेखा एवं विशेषताओं पर
प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस वेबिनार में
करीब 500 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया।
उन्होंने बताया कि यह ई-बुक्स डॉटा बेस
विश्वविद्यालय के छात्रों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों
के लिए फायदेमंद हो सकता है। इस डेटाबेस में
ई-पॉर्ट में 2.7 लाख से अधिक ई-पुस्तकें और
अन्य दस्तावेज शामिल हैं।

कोविड-19 में ई-बुक्स से शिक्षा जगत को फायदा हुआ



कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी की
ओर से किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि वर्तमान समय में
ई-बुक्स से शिक्षाजगत को सबसे ज्यादा फायदा मिला है
क्योंकि इस समय सभी शिक्षण संस्थान और पुस्कालय बंद हैं।
ऐसे में इसकी अधिक जरूरत हो गई है।



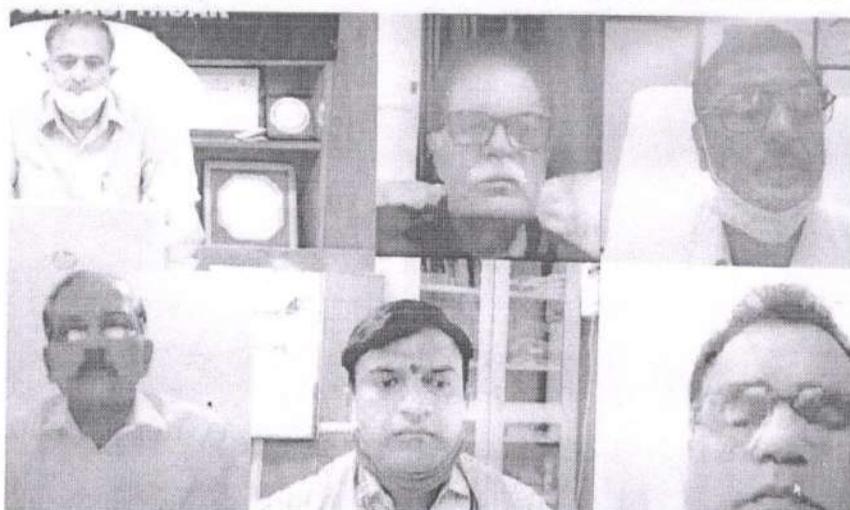
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समस्त्रार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सि २१ पत्र	७.५.२०२१	--	--

नेहरू लाइब्रेरी में एबस्को ई-बुक अकादमिक संग्रह पर ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित

सिटी पल्स न्यूज़, हिसारी वर्तमान समय में ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कोरोना काल में जो डिप्लोमा और अधिक बढ़ गई है। यथा ही समाज में तजी में बढ़ रहे सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग ने जीवन के हर फल्गु को बदल दिया है। वर्तमान इंडियन यूनि प्रैलीक ईच्छुक व्यक्तिन् नुस्खे सारा जानकारी अपने ताथों में भागता है। ये विचार हरियाणा कूपर विश्वविद्यालय के कुलपति प्री. डी. आर. कम्बोज ने कहे। वे ई-बुक्स भक्ताद्वितीय सम्बह पर प्रभावी उपयोग और प्रशिक्षण कार्यशाला विषय पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में बतार मृग्यान्वित थोल रहे थे। कार्यशाला का आयोजन नेहरू लाइब्रेरी की ओर से किया गया।

मुख्यान्वित ने कहा कि वर्तमान समय में ई-बुक्स से शिक्षा जगत को सबसे ज्यादा प्रभाव निभा है वर्याचिक इस समय सभी शिक्षण सम्बन्धी और पुस्तकालय बंद हैं। ऐसे में इसके अधिक जरूरत ही गई है। उपरोक्तताओं को पुस्तकालयों में मुद्रित पुस्तकों के बजाय ई-पुस्तकों का उपयोग करना पड़ता है। कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलदान



हिसार। ऑनलाइन वेबिनार में संबोधित करते हुए कुलपति डी. आर. कम्बोज व मौजूद अन्य।

सिंह ने कार्यशाला की रूपरेखा एवं बताया कि यह ई-बुक्स डॉटा बेस विशेषताओं पर प्रकाश डालता। उन्होंने विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और बताया कि इस वेबिनार में करीब 500 शिक्षकों के लिए फायदमंद हो सकता है। प्रतिभागियों ने पंजीकरण करताया। उन्होंने इस घटावेस में 2.7 लाख से

अधिक ई-पुस्तकों और अब दसवें जारी है। वर्षित प्रशिक्षण प्रबन्धक रितेश कुमार ने एब्स्को ई-बुक पैकेज और डिप्लोमा विशेषताओं के बारे में जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठ्यक्रम	7.5.2021	--	--

वर्तमान में ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में निभा रही महत्वपूर्ण भूमिका : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज़

हिसार, 7 मई : वर्तमान समय में ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कोरोना काल में तो इसकी महत्ता और अधिक बढ़ गई है। साथ ही समाज में तेजी से बढ़ रहे सूचना प्रौद्योगिकों के प्रयोग ने जीवन के हर पहलू को बदल दिया है। वर्तमान डिजिटल युग में प्रत्येक इच्छुक व्यक्ति तुरंत सारी जानकारी अपने हाथों में चाहता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कलापति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे ई-बुक्स अकादमिक संघ्रह पर प्रभावी उपयोगी और प्रशिक्षण कार्यशाला विषय पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में बताए मुख्यातिथि चौल रहे थे। कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी की ओर से किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि वर्तमान समय में ई-बुक्स से शिक्षा जगत को सबसे

ज्यादा फायदा मिला है क्योंकि इस समय सभी शिक्षण संस्थान और पुस्कालय बंद हैं। ऐसे में इसकी अधिक जरूरत हो गई है। उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालयों में मुद्रित पुस्तकों के बजाय ई-पुस्तकों का उपयोग करना पड़ा है। ई-बुक्स आज के समय की मांग है। इसलिए मौजूदा समय में हर प्रकार की शिक्षा संबंधी सामग्री ई-बुक्स के माध्यम से इंटरनेट पर उपलब्ध हो रही है। मुद्रित पुस्तकों की तुलना में इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकों के पाठक अपने अनुकूल विषयों को आसानी से तुरंत औनलाइन माध्यम से खोज सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी ने दुनिया भर के विश्वविद्यालयों में शिक्षा और अनुसंधान गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ जबकि समापन राष्ट्रगान से किया गया। सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र जारी किए गए। कार्यशाला के शुभारंभ



अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने सभी मुख्यातिथि एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला की रूपरेखा एवं विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस बेबिनार में करीब 500 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया। उन्होंने बताया कि यह ई-बुक्स डॉटा बेस विश्वविद्यालय के छात्रों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों के लिए फायदमंद हो सकता है। इस डेटाबेस में ई-फॉर्म में 2.7 लाख से अधिक ई-पुस्तकों और अन्य

दस्तावेज शामिल हैं। बरिष्ठ प्रशिक्षण प्रबंधक रितेश कुमार ने एवस्को ई-बुक पैकेज और इसकी विशेषताओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में नेहरू पुस्तकालय के डॉ. राजीव कुमार पटेल ने धन्यवाद प्रस्तुत किया। जबकि मंच संचालन सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. भानु प्रताप ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष, विद्यार्थी एवं प्रतिभागी औनलाइन माध्यम से शामिल हुए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब में ऑनलाइन	8.5.2021	--	--

ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में निभा एही महत्वपूर्ण भूमिका : कार्योज

● एचएयू की नेहरू लाइब्रेरी में ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित

हिमार, राज प्राप्ति (पंजाब के मरी) : वर्तमान समय में ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कोरोना काल में तो इसकी महत्वा और अधिक बढ़ गई है। साथ ही समाज में तेजी से बढ़ रहे सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग ने जीवन के हर फल्ज को बदल दिया है। वर्तमान डिजिटल युग में प्रत्येक इन्डुस्ट्री व्यक्ति तुरंत मारी आनकारी अपने हाथों में चाहता है। ये विद्यार्थी भी मैं चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कलापति प्रो. यो आर कार्योज ने कहा। ये ई-बुक्स आकारीभक्ति संग्रह पर प्रभावी उपयोग और प्रशिक्षण कार्यशाला विद्यार्थी विद्यार्थी और अधिकारी अनुसंधान कार्यशाला में चर्चा विद्यार्थी सामग्री ई-बुक्स के



मुद्दयातिथि ने कहा कि वर्तमान समय में ई-बुक्स से शिक्षाजगत को सर्वसे ज्यादा फायदा मिला है क्योंकि इस समय यही शिक्षण संस्थान और पुस्तकालय बंद हैं। उपर्योगकर्ताओं को पुस्तकालयों में मुद्रित पुस्तकों के बजाय ई-पुस्तकों का उपयोग करना पड़ा है। इस महामारी के दौर में डिजिटल सूचना संस्थान हमारे अध्ययन एवं अध्यापन में अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ई-बुक्स आज के समय को मांग है। इसलिए भीजुटा समय में हर प्रकार की शिक्षा संवर्धी सामग्री ई-बुक्स के

का फायदा उठाने के लिए मदद मिलेगी और वे उन्हें अपने शोध और शिक्षण में लागू कर सकेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरकारी बंदन से हुआ जबकि समापन राष्ट्रगान में किया गया। सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र जारी किए गए। कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलबान सिंह ने बताया कि इस डेटाबेस में ई-फॉर्म में 2.7 लाख से अधिक ई-पुस्तकों की ओर अन्य दस्तावेज शामिल हैं। वरिष्ठ प्रशिक्षण प्रबंधक रितेश कुमार ने एवमको ई-बुक्स प्रोजेक्ट और इसकी विशेषता ओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में नेहरू पुस्तकालय के डॉ. राजीव कुमार पटेल द्वारा द्यक्षात प्रस्ताव प्रस्तुत किया जबकि मंच संचालन महायक धन कालयाध्यक्ष डा. भानु प्रताप ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष, विद्यार्थी एवं प्रतिभागी औनलाइन माध्यम से शामिल हुए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२१ अप्रैल	8.5.2021	--	--

वर्तमान में ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में निभा रही महत्वपूर्ण भूमिका : काम्बोज

हिसार। वर्तमान समय में ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कोरोना काल में तो इसकी महत्ता और अधिक बढ़ गई है। साथ ही समाज में तेजी से बढ़ रहे सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग ने जीवन के हर पहलू को बदल दिया है। वर्तमान डिजिटल युग में प्रत्येक इच्छुक व्यक्ति तुरंत सारी जानकारी अपने हाथों में चाहता है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने ई-बुक्स अकादमिक संग्रह पर प्रभावी उपयोग और प्रशिक्षण कार्यशाला विषय पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में को संबोधित करते हुए कही। कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी की ओर से किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि वर्तमान समय में ई-बुक्स से शिक्षाजगत को सबसे ज्यादा फायदा मिला है क्योंकि इस समय सभी शिक्षण संस्थान और पुस्कालय बंद हैं। ऐसे में इसकी अधिक जरूरत हो गई है। उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालयों में मुद्रित

पुस्तकों के बजाय ई-पुस्तकों का उपयोग करना पड़ा है। इस महामारी के दौर में डिजिटल सूचना संसाधन हमारे अध्ययन एवं अध्यापन में अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ई-बुक्स आज के समय की मांग है। इसलिए मौजूदा समय में हर प्रकार की शिक्षा संबंधी सामग्री ई-बुक्स के माध्यम से इंटरनेट पर उपलब्ध हो रही है। मुद्रित पुस्तकों की तुलना में इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकों के पाठक अपने अनुकूल विषयों को आसानी से तुरंत ऑनलाइन माध्यम से खोज सकते हैं। इससे न केवल समय बल्कि पैसे की भी बचत होती है और वाञ्छित जानकारी तुरंत मिल जाती है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी ने दुनियाभर के विश्वविद्यालयों में शिक्षा और अनुसंधान गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। इस तरह के वेबिनार से विद्यार्थियों और शिक्षकों को ई-पुस्तकों से विशेष रूप से ई-संसाधनों का फायदा उठाने के लिए मदद मिलेगी और वे उन्हें अपने शोध और शिक्षण में लागू कर सकेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभा कैट	7.5.2021	--	--

सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग ने जीवन के हर पहलू को बदल दिया : कुलपति

हिसार/07 मई/रिपोर्टर

वर्तमान समय में ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कोरोना काल में तो इसकी महत्ता और अधिक बढ़ गई है। साथ ही समाज में तेजी से बढ़ रहे सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग ने जीवन के हर पहलू को बदल दिया है। वर्तमान डिजिटल युग में प्रत्येक इच्छुक व्यक्ति तुरंत सारी जानकारी अपने हाथों में चाहता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहे। वे ई-बुक्स अकादमिक संग्रह पर प्रभावी उपयोग और प्रशिक्षण कार्यशाला विषय पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में बताए मुख्यांतिथि बोल रहे थे। कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी की ओर से किया गया। मुख्यांतिथि ने कहा कि वर्तमान समय में ई-बुक्स से शिक्षाजगत को सबसे ज्यादा फायदा मिला है क्योंकि इस समय सभी शिक्षण संस्थान और पुस्तकालय बंद हैं। ऐसे में इसकी अधिक जरूरत हो गई है। उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालयों में मुद्रित पुस्तकों के बजाय ई-पुस्तकों का उपयोग करना पड़ा है। इस महामारी के दौर में डिजिटल सूचना संसाधन हमारे अध्ययन एवं अध्यापन में अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ई-बुक्स आज के समय की मांग है। इसलिए मौजूदा समय में हर प्रकार की शिक्षा संबंधी सामग्री ई-बुक्स

के माध्यम से इंटरनेट पर उपलब्ध हो रही है। मुद्रित पुस्तकों की तुलना में इलैक्ट्रॉनिक पुस्तकों के पाठक अपने अनुकूल विषयों को आसानी से तुरंत ऑनलाइन माध्यम से खोज सकते हैं। इससे न केवल समय बल्कि पैसे की भी बचत होती है और वांछित जानकारी तुरंत मिल जाती है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी ने दुनिया भर के विश्वविद्यालयों में शिक्षा और अनुसंधान गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। इस तरह के बैबीनार से विद्यार्थियों और शिक्षकों को ई-पुस्तकों से विशेष रूप से ई-संसाधनों का फायदा उठाने के लिए मदद मिलेगी और वे उन्हें अपने शोध और शिक्षण में लागू कर सकेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ जबकि समापन राष्ट्रगान से किया गया। सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र जारी किए गए। कार्यशाला के शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ जबकि समापन राष्ट्रगान से किया गया। सभी प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया। वरिष्ठ प्रशिक्षण प्रबंधक रितेश कुमार ने एवस्को ई-बुक पैकेज और इसकी विशेषताओं के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में नेहरू पुस्तकालय के डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया जबकि मंच संचालन सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. भानु प्रताप ने किया।



12

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम दिनांक पृष्ठ संख्या कॉलम
पांच लाख 7.5.2021 -- --

एचएयू की नेहरू लाइब्रेरी में एवरको ई-बुक अकादमिक संग्रह पर ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित
वर्तमान में ई-बुक्स शिक्षा व अनुसंधान में निभा रही महत्वपूर्ण भूमिका : प्रो. काम्बोज

पात्र सांकेतिक

हिंसारा लोपान समय में ई-लूप्ट लिंग तथा अनुभवमय में व्यालग्नीय भूमिका निभा रही है। क्षेत्रोंमें काला में तो इसकी प्रत्यक्ष आरोग्यकारी वृद्धि देखी गयी है। साथ ही शर्माज में देखी गयी में वह एक न्यूचन मार्गीनिंग की प्रयोग ने जोखिम के तर यात्रा को बहुत दिक्षित किया है। लोपान इन्डिस्ट्रियल युग में प्रत्येक इलूट्रॉक व्यवस्था तुरंत सारी जानकारी अपने हाथों में

चाहता है। ये विद्या और मीठे वस्तु रिंग हारप्रिया कुमी कार्यपालिकामय के कलात्मक प्रोफेसर हो भी आए। कानूनवाले ने कहा— वे हैं—बृहस्पति अकाशभूमिका साथ पर प्रशंसनीय उत्तरण और प्रशंसनीय कार्यपालिका विधि पर या जागीरामी अन्यकालीन कार्यपालिका में वर्चोवा मुख्यालयीकृत रूप से देख बायकालानन्द ज्ञान आधोरेव विद्यालयामय की नीले लालचोटी की ओर से किया एक मुख्यालयीकृत ने कला की विद्यालयमय में दृष्टि असर से शिखा जनन को समझे जाता

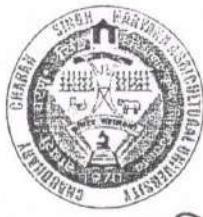


पारदर्शन मिला है क्योंकि इस समय तभी शिक्षण सम्बन्धी और प्रशासनीय जरूरत है। ऐसे में इसकी अधिक वज्रबल्ली हो गई है। उत्तरवाचिकाओं की पुस्तकालयों में भौतिक पुस्तकों की बजाय इन पुस्तकों की ऊपरी कुत्तनी पड़ती है। इस सामग्री के द्वारा मिलने वाली सम्बन्धित दृष्टि अधिक एवं अधिक में अधिक मानवाधारणी भौतिक विवरण है। इन्हें बहुत ज्ञान के साथ की भाँग है। इन्हें योगदान समाज में ऐसी विश्वासीता देती है कि समाज में विवरण सम्बन्धी दृष्टि के द्वारा कोई विवरण उत्तरवाचिकों के प्रयत्नों से नहीं हो सकता।

त्रिवेदी में इलाहाबादक पुस्तकों के पालने
अपने अनुवाद विषय को आमतौर से
लगत अन्यतर भवितव्य से छोड़ रखते हैं। इसमें न केवल अनुवाद का उचित प्रेस
को भी खाली बहाव देती है और वास्तव
जागरूकता तुरते मिलते जाती है। उत्तरी
काठा को जैसा-जैसा पढ़ने में विश्वास भर
के विश्वविद्यालयमें ऐसा शिक्षा और
अध्ययन का विविधता पर प्रतिकृति
प्राप्त होता है। इस तरह इन विद्यालयों
में विद्यार्थीयों और शिक्षकों को दृष्टिकोण
में विशेष रूप से इन्डियानों का
प्रबल दृष्टिकोण के लिए मद्दत मिलती और
वे उन्हें अपने शोध और सिद्धान्त में लाते
कर सकते हैं। कठीन का यह विशेष
मरणालय विद्याएं से दूर रहने की सम्भापन
नहीं होती। यहाँ विद्याएं की
प्रशंसन या चर्चा नहीं होती।

इंडियानों द्वारा देश में दो लालाएं में अधिक
इं-प्रायरल भौतिक
कार्यकारी के ग्रामपाल अवसर पर

प्रायः लालायाएँ तू. वालान रिहे ने घमी
प्रायः लालायिए एवं प्रतिपायिए का वालान करती
हुए कालानाम को रोकती है एवं विश्वासोंपारे
प्रायः लालाया। उल्लंघन वालान ने इस
विवाहमें के करोब ५०० प्रतिपायियों
में प्रायः लालाया। उल्लंघन वालान की
इं-प्रायरल दृष्टिकोण विश्वविद्यालय के लकड़ीं,
शिरोमणीयों और शिक्षकों के लिए चमोरी
लालाया है। इस दृष्टिकोण से वे-पायीमें २.७
लालाएं में अधिक इं-प्रायरल और अन्य
दृष्टिकोण विश्वालय। विश्वविद्यालय का
दृष्टिकोण करने में एकल विजेता
और इसकी विशेषताओं के अंत में विश्वविद्यालय
जानकारी दी। विश्वविद्यालय के अंत में नेतृत्व
प्राप्तकालीन के द्वारा एवं विश्वविद्यालय में
भवनानां प्राप्तान विद्या विजय उत्तरक में
मध्यामन योग्यकारी प्राप्तकालीनपालय है। यहाँ
प्राप्तवाने ने विश्वविद्यालय के अंत में
विद्यार्थी एवं प्रतिपायी अंगठीदार माध्यम से
राजीवान्ति द्वारा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब कैरेक्टरी

दिनांक ५.५.२१ पृष्ठ संख्या.....५ कॉलम.....५

'9 तक बंद रहेगी हफ्ते, किया जाएगा सैनिटाइज'

हिसार, 6 मई (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को आगामी 9 मई तक बंद करने का फैसला लिया है। यह फैसला विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विभिन्न कार्यालयों और कैंपस में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए लिया गया है। इस दौरान ऑनलाइन शैक्षणिक गतिविधियां, मेडिकल सेवाएं, बिजली, पानी और सेनेटाइजेशन की गतिविधियां जारी रहेंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पहले से ही पालन किया जा रहा है, ताकि कोरोना संक्रमण को रोका जा सके। विश्वविद्यालय का केवल गेट नंबर-1 ही खुला रहेगा और प्रवेश के लिए पहचान-पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा।

इसी प्रकार गेट नंबर-3 को फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी कार्यों के लिए ही खोला जाएगा, लेकिन इसके लिए भी पहचान पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय के बंद होने के दौरान पूरे विश्वविद्यालय पारिसर को सैनिटाइज कराया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में पहले ही एक कमटी का गठन किया जा चुका है, जिसमें कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, प्रमुख सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव शामिल हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरूक.....

दिनांक ८.५.२०२१ पृष्ठ संख्या..... २ कॉलम..... ६

नौ तक बंद रहेगी एचएयू किया जाएगा सैनिटाइज

जास, हिसार : विश्वविद्यालय को आगामी ९ मई तक बंद करने का फैसला लिया है। यह फैसला विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विभिन्न कार्यालयों और कैपस में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए लिया गया है। इस दौरान फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी गतिविधियां, ऑनलाइन शैक्षणिक गतिविधियां, मेडिकल सेवाएं, बिजली, पानी, सेनेटाइजेशन और अन्य जरूरी जारी रहेंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा नोटिफिस-१० को लेकर केंद्र सरकार



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....जनभाव.....
दिनांक ५.५.२०२१...पृष्ठ संख्या.....।.....कॉलम.....।.....

**९ मई तक बंद रहेगा
हक्कि, होगा सैनिटाइज**

हिसार। कोरोना की वजह से चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हक्कि) को ९ मई तक बंद रहेगा। इस दौरान फार्म क्षेत्र में कृषि सबधी गतिविधियां, ऑनलाइन शैक्षणिक गतिविधियां, मेडिकल सेवाएं, विजली, पानी सैनिटाइजेशन और अन्य जरूरी गतिविधियां जारी रहेंगी।

विश्वविद्यालय का केवल गेट नंबर-१ ही खुला रहेगा। प्रवेश के लिए पहचान पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। इसी प्रकार गेट नंबर-३ को फार्म क्षेत्र में कृषि सबधी कार्यों के लिए ही खोला जाएगा। यहाँ भी पहचान पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा।

विश्वविद्यालय के बंद होने के दौरान पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सैनिटाइज कराया जाएगा। कमटी में कैपस अस्पताल के विकितस्थ अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और महायक कुलसचिव शामिल हैं। द्यूरो



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....भौद्धनि क. मासिक.....

दिनांक ५.५.२०२१...पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....।-३.....

कोरोना संक्रमितों की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए ९ मई तक बंद रहेगा एयरप्रू

भारकर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को आगामी ९ मई तक बंद करने का फैसला लिया है। यह फैसला विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विभिन्न कार्यालयों और कैप्स में लगातार बढ़ रहे। कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए लिया गया है।

इस दौरान फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी गतिविधियां, ऑनलाइन शैक्षणिक गतिविधियां, ऐकल सेवाएं,

बिजली, पानी, सेनेटाइजेशन और अन्य जरूरी गतिविधियां जारी रहेंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पहले से ही पालन किया जा रहा है, ताकि कोरोना संक्रमण को रोका जा सके। विश्वविद्यालय का केवल गेट नंबर-1 ही खुला रहेगा और प्रवेश के लिए पहचान-पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। इसी प्रकार गेट नंबर-3 को फार्म

क्षेत्र में कृषि संबंधी कार्यों के लिए ही खोला जाएगा, लेकिन इसके लिए भी पहचान पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय के बंद होने के दौरान पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सेनटाइज कराया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में पहले ही एक कमटी का गठन किया जा चुका है, जिसमें कैप्स अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव शामिल हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठ्यक्रम	7.5.2021	--	--

9 मई तक बंद रहेगी एचएयू, किया जाएगा सेनेटाइज

पाठ्यक्रम न्यूज

हिसार, 7 मई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को आगामी 9 मई तक बंद करने का फैसला लिया है। यह फैसला विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विभिन्न कार्यालयों और कैंपस में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए लिया गया है। इस दौरान ऑनलाइन शैक्षणिक गतिविधियां, मेडिकल सेवाएं, बिजली, पानी और सेनेटाइजेशन की गतिविधियां जारी रहेंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पहले से ही पालन किया जा रहा है, ताकि कोरोना संक्रमण को रोका जा

सके। विश्वविद्यालय का केवल गेट नंबर-1 ही खुला रहेगा और प्रवेश के लिए पहचान-पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। इसी प्रकार गेट नंबर-3 को फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी कार्यों के लिए ही खोला जाएगा, लेकिन इसके लिए भी पहचान पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय के बंद होने के दौरान पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सेनेटाइज कराया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में पहले ही एक कमेटी का गठन किया जा चुका है, जिसमें कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव शामिल हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पुत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नैमा २०२१	6.5.2021	--	--

बढ़ते संक्रमण के चलते हकृति 9 मई तक बंद

हिसार/06 मई/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को 9 मई तक बंद करने का फैसला लिया गया है। यह फैसला विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विभिन्न कार्यालयों और कैंपस में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए लिया गया है। इस दौरान ऑनलाइन शैक्षणिक गतिविधियां, मेडिकल सेवाएं, बिजली, पानी और सैनेटाइजेशन की गतिविधियां जारी रहेंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पहले से ही पालन किया जा रहा है, ताकि कोरोना संक्रमण को रोका जा सके। विश्वविद्यालय का केवल गेट नंबर-1 ही खुला रहेगा और प्रवेश के लिए पहचान-पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। इसी प्रकार गेट नंबर-3 को फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी कार्यों के लिए ही खोला जाएगा, लेकिन इसके लिए भी पहचान पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय के बंद होने के दौरान पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सैनेटाइज कराया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में पहले ही एक कमेटी का गठन किया जा चुका है, जिसमें कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव शामिल हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त पत्र भवन	7.5.2021	--	--

9 मई तक बंद रहेगी एचएयू किया जाएगा सेनेटाइज

समस्त हरियाणा न्यूज हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को आगामी 9 मई तक बंद करने का फैसला लिया है। यह फैसला विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विभिन्न कार्यालयों और कैंपस में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमितों की संख्या दौरान फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी कार्यों को देखते हुए लिया गया है। इस गतिविधियां, ऑनलाइन शैक्षणिक सेवाएं, विज्ञानी, पानी, सेनेटाइजेशन और अन्य जरूरी गतिविधियां जारी रहेंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोविड-19 को लेकर सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन किया जा रहा है, ताकि कोरोना संक्रमण को रोका जा सके। विश्वविद्यालय का केवल गेट नंबर-1 ही खुला रहेगा और प्रवेश के लिए पहचान-पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। इसी प्रकार गेट नंबर-3 को फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी कार्यों के लिए ही खोला जाएगा, लेकिन इसके लिए भी पहचान पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के बंद होने के दौरान पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सेनेटाइज कराया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में पहले ही एक कमेटी का गठन किया जा चुका है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल	8.5.2021	--	--

9 मई तक बंद रहेगी एचएयू, किया जाएगा सेनेटाइज

पल पल न्यूज़: हिसार, 6 मई। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को आगामी 9 मई तक बंद करने का फैसला लिया है। यह फैसला विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विभिन्न कार्यालयों और कैंपस में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए लिया गया है। इस दौरान फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी गतिविधियां, ऑनलाइन शैक्षणिक गतिविधियां, मेडिकल सेवाएं, बिजली, पानी, सेनेटाइजेशन और अन्य जरूरी गतिविधियां जारी रहेंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पहले से ही पालन किया जा रहा है, ताकि कोरोना संक्रमण को रोका जा सके। विश्वविद्यालय का केवल गेट नंबर-1 ही खुला रहेगा और प्रवेश के लिए पहचान-पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। इसी प्रकार गेट नंबर-3 को फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी कार्यों के लिए ही खोला जाएगा, लेकिन इसके लिए भी पहचान पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय के बंद होने के दौरान पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सेनेटाइज कराया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में पहले ही एक कमेटी का गठन किया जा चुका है, जिसमें कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव शामिल हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार सूत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ज.१.भा.२१	6.5.2021	--	--

9 मई तक बंद रहेगी एचएयू, किया जाएगा सेनेटाइज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को आगामी 9 मई तक बंद करने का फैसला लिया है। यह फैसला विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विभिन्न कार्यालयों और कैंपस में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए लिया गया है। इस दौरान फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी गतिविधियां, ऑनलाइन शैक्षणिक गतिविधियां, मेडिकल सेवाएं, बिजली, पानी, सेनेटाइजेशन और अन्य जरूरी गतिविधियां जारी रहेंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पहले से ही पालन किया जा रहा है, ताकि कोरोना संक्रमण को रोका जा सके। विश्वविद्यालय का केवल गेट नंबर-1 ही खुला रहेगा और प्रवेश के लिए पहचान-पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। इसी प्रकार गेट नंबर-3 को फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी कार्यों के लिए ही खोला जाएगा, लेकिन इसके लिए भी पहचान पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय के बंद होने के दौरान पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सेनेटाइज कराया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में पहले ही एक कमेटी का गठन किया जा चुका है, जिसमें कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव शामिल हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
स्प्रिंगर साइट	6.5.2021	--	--

9 मई तक बंद रहेगी एचएयू, किया जाएगा सेनेटाइज़

हिसार | सिरसा टुडे

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को आगामी 9 मई तक बंद करने का फैसला लिया है। यह फैसला विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विभिन्न कार्यालयों और कैंपस में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमितों की सख्ती को देखते हुए

लिया गया है। इस दौरान फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी गतिविधियां, ऑनलाइन शैक्षणिक गतिविधियां, मेडिकल सेवाएं, बिजली, पानी, सेनेटाइजेशन और अन्य जरूरी गतिविधियां जारी रहेंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पहले से ही

पालन किया जा रहा है, ताकि कोरोना संक्रमण को रोका जा सके। विश्वविद्यालय का केवल गेट नंबर-1 ही खुला रहेगा और प्रवेश के लिए पहचान-पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। इसी प्रकार गेट नंबर-3 को फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी कार्यों के लिए ही खोला जाएगा, लेकिन इसके लिए भी पहचान पत्र और गेट

पास दिखाना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय के बंद होने के दौरान पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सेनेटाइज कराया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में पहले ही एक कमर्टी का गठन किया जा चुका है, जिसमें कैंपस अस्पताल के बरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव शामिल हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

सम्पादक पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
५८०१८५१२	7.5.2021	--	--

9 मई तक बंद रहेगी एचएयू किया जाएगा सेनेटाइज

हैलो हिसार न्यूज
हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को आगामी 9 मई तक बंद करने का फैसला लिया है। यह फैसला विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विभिन्न कार्यालयों और कैंपस में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए लिया गया है। इस दौरान ऑनलाइन शैक्षणिक गतिविधियां, मेडिकल सेवाएं, बिजली, पानी और सेनेटाइजेशन की गतिविधियां जारी रहेंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पहले से ही पालन किया जा रहा है, ताकि कोरोना संक्रमण को रोका जा

सके। विश्वविद्यालय का केवल गेट नंबर-1 ही खुला रहेगा और प्रवेश के लिए पहचान-पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। इसी प्रकार गेट नंबर-3 को फार्म क्षेत्र में कृषि संबंधी कार्यों के लिए ही खोला जाएगा, लेकिन इसके लिए भी पहचान पत्र और गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय के बंद होने के दौरान पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सेनेटाइज कराया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में पहले ही एक कमेटी का गठन किया जा चुका है, जिसमें कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव शामिल हैं।